

राजस्थान
राजस्व विभाग

क्रमांक- 912/राज-6/05/13

जयपुर, दिनांक- 7.5.2005

:: अधिसूचना ::

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956/1956 का अधिनियम संख्या 15 की धारा 260 की उप धारा 1 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम के अध्याय 10 के अधीन तथा राजस्थान भू-राजस्व (पेमेंट क्रेडिट, रिफण्ड एंड रिकवरी) नियम, 1958 के अधीन जिला कलेक्टर पर अधिरोपित कर्तव्यों तथा उसे प्रदत्त शक्तियों का क्रमशः पालना एवं प्रयोग सभी सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग द्वारा उनकी अधिकारिता क्षेत्र के भीतर देवस्थान विभाग के किराए दारों/कब्जेधारियों व अन्य बकायादारों से समस्त शोध्य बकाया राशि कसूली के संबंध में किया जावेगा।

राज्यपाल के आदेश से,

उप शासन सचिव-

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री महोदय/मा. राजस्व मंत्री।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, राजस्थान, जयपुर।
3. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, सचिव, राजस्व
4. निजी सचिव, शासन सचिव, देवस्थान विभाग।
5. समस्त जिला कलेक्टर।
6. निबन्धक, राजस्व मण्डल, अजमेर।
7. अधीक्षक, राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर को उपरोक्त अधिसूचना राजस्थान राजपत्र के असाधारण अंक दिनांक 7.5.2005 में प्रकाशित करने हेतु प्रेषित है।
8. निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजप, जयपुर।
9. राजस्व विभाग के समस्त अनुभाग।
10. रक्षित पत्रावली।

उप शासन सचिव-